भारत की सबसे बड़ी जलवायु घड़ी

सुर्ख़ियों में क्यों?

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने पृथ्वी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 23 अप्रैल को सीएसआईआर मुख्यालय भवन, नई दिल्ली में भारत की सबसे बड़ी जलवायु घड़ी स्थापित और सक्रिय की।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- यह आयोजन जलवायु परिवर्तन और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के सीएसआईआर के उद्देश्य को दर्शाता है।
- सीएसआईआर एक्सेलेरेटिंग मॉडर्न रिसर्च, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजीज (एएमआरआईटी) व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य भारत के अग्रणी एस एंड टी नेताओं के विचारों और विचारों से सीखना है जो सामान्य रूप से आर एंड डी संगठनों और विशेष रूप से सीएसआईआर द्वारा कार्यों के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद कर सकते हैं।

सीएसआईआर के बारे में

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जो विविध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास ज्ञान आधार के लिए जाना जाता है, एक समकालीन अनुसंधान एवं विकास संगठन है।

- सीएसआईआर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करता है - समुद्र विज्ञान, भूभौतिकी, रसायन, औषधि, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और नैनो प्रौद्योगिकी से लेकर खनन, वैमानिकी, उपकरण, पर्यावरण इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी तक।
- यह सामाजिक प्रयासों से संबंधित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण तकनीकी हस्तक्षेप प्रदान करता है, जिसमें पर्यावरण, स्वास्थ्य, पेयजल, भोजन, आवास, ऊर्जा, कृषि और गैर-कृषि क्षेत्र शामिल हैं।
- आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए टिकाऊ समाधान और क्षमता निर्माण विकसित करके नवीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से भारत के नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करना"।

26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस

खबरों में क्यों?

- भारत 22 अप्रैल, 2024 से 25 अप्रैल, 2024 तक रॉटरडैम, नीदरलैंड में आयोजित होने वाली 26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस में अपनी नवीन प्रौद्योगिकियों और बिजली उत्पादन प्रथाओं का प्रदर्शन कर रहा है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- कांग्रेस में भारतीय मंडप का उद्देश्य वैश्विक मंच पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए नवीन प्रौद्योगिकियों और बिजली उत्पादन प्रथाओं को प्रदर्शित करने का केंद्र बनना है।
- इस मंडप का उद्घाटन भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल और नीदरलैंड में भारत की राजदूत श्रीमती रीनत संधू द्वारा 22 अप्रैल, 2024 को संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- 26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस से विश्व भर में स्वच्छ और समावेशी ऊर्जा परिवर्तन पर नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने की उम्मीद है।
- 'लोगों और ग्रह के लिए ऊर्जा का पुनः डिजाइन' विषय पर आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन विश्व ऊर्जा परिषद की विश्व ऊर्जा में शताब्दी वर्षगांठ का प्रतीक है।
- परिषद के अनुसार, कांग्रेस का उद्देश्य ऐसे विश्व संदर्भ में वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने में जुड़े हुए ऊर्जा समाजों की भूमिका का पता लगाना है, जो कम

पूर्वानुमानित, अधिक अशांत और तेजी से बदल रहा है।

- विश्व ऊर्जा परिषद भारत विश्व ऊर्जा परिषद (डब्ल्यूईसी) का एक सदस्य देश है, जो ऊर्जा की सतत आपूर्ति और उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1923 में स्थापित एक वैश्विक निकाय है।
- WEC भारत विश्व ऊर्जा परिषद के शुरुआती सदस्यों में से एक है, जो 1924 में परिषद में शामिल हुआ था।
- WEC इंडिया भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के संरक्षण में और कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और विदेश मंत्रालय के सहयोग से कार्य करता है।

जलवायु रणनीति 2030

खबरों में क्यों?

- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने जलवायु रणनीति 2030 दस्तावेज़ का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य भारत की हरित वित्तपोषण की आवश्यकता को संबोधित करना है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- भारत को 2030 तक 2.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की कुल संचयी राशि तक पहुंचने के लिए सालाना लगभग 170 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है, वर्तमान हरित वित्त प्रवाह गंभीर रूप से अपर्याप्त है।
- 2019-20 तक, भारत ने हरित वित्तपोषण में लगभग 49 बिलियन डॉलर जुटाए, जो कि जरूरत का एक अंश मात्र था।
- शमन के लिए निर्धारित अधिकांश धनराशि के साथ, अनुकूलन और लचीलेपन के लिए केवल 5 बिलियन डॉलर आवंटित किए गए थे, जो कि बैंक योग्यता और वाणिज्यिक व्यवहार्यता में चुनौतियों के कारण इन क्षेत्रों में न्यूनतम निजी क्षेत्र की भागीदारी को दर्शाता है।
- नाबार्ड की जलवायु रणनीति 2030 चार प्रमुख स्तंभों के आसपास संरचित है जिसमें सभी क्षेत्रों में हरित ऋण में तेजी लाना, व्यापक बाजार-निर्माण भूमिका निभाना, आंतरिक हरित परिवर्तन और रणनीतिक संसाधन जुटाना शामिल है।
- यह रणनीतिक पहल न केवल पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति नाबार्ड की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, बल्कि इसे एक लचीली और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की ओर भारत के संक्रमण में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करती है।

नाबार्ड के बारे में

- नाबार्ड, जिसका अर्थ राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक है, की स्थापना 1982 में पूरे भारत में सतत ग्रामीण और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।
- वित्तीय निकाय भारतीय रिज़र्व बैंक और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डोमेन के तहत काम करता है।

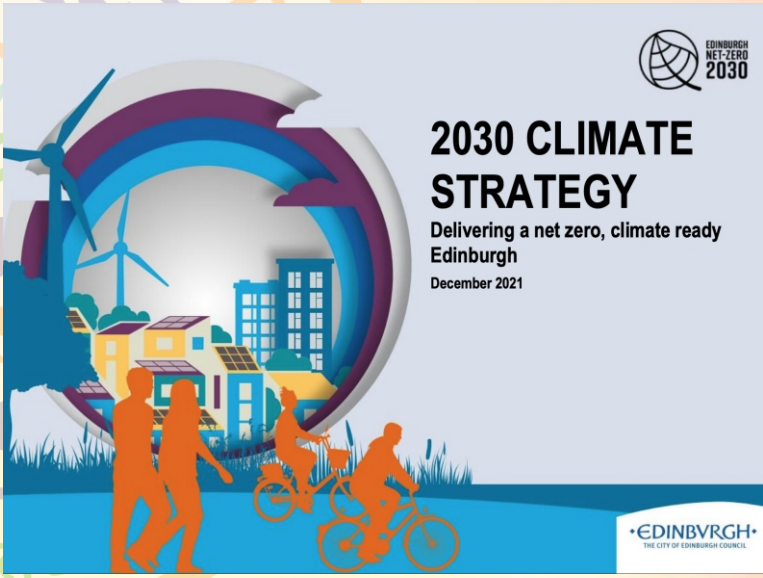

- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में ऋण के प्रवाह को बढ़ावा देना और उनके समग्र विकास को बढ़ाना है।
- नाबार्ड द्वारा निभाई गई सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक विभिन्न ग्रामीण संस्थाओं, किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और सहकारी समितियों को संस्थागत ऋण का चैनलाइज़ेशन है।

यूरोप सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप

खबरों में क्यों?

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप वैश्विक औसत की दोगुनी दर से गर्म हुआ, जिससे यह 2023 में सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन गया।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- यह वर्ष यूरोप के लिए दूसरा सबसे गर्म वर्ष था, जिसमें औसत तापमान 1991-2020 संदर्भ अवधि के लिए सामान्य से 1.02-1.12 डिग्री सेल्सियस अधिक था।
- निष्कर्षों से पता चला कि यह 2020 में अनुभव किए गए औसत तापमान से लगभग 0.13-0.17 डिग्री सेल्सियस कम है, जो महाद्वीप का सबसे गर्म वर्ष है।
- महाद्वीप में 'अत्यधिक गर्मी तनाव' वाले दिनों की संख्या सबसे अधिक रही और 'ठंडे तनाव' वाले दिनों की संख्या में कमी आई।
- वैश्विक मौसम विज्ञान एजेंसी 'अत्यधिक गर्मी तनाव' को उस स्थिति के रूप में परिभाषित करती है जब 'ऐसा महसूस होता है' तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है।
- रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि मई महीने के अलावा, यूरोप में 2023 के हर महीने औसत से अधिक तापमान देखा गया।

एएमयू की पहली महिला कुलपति

खबरों में क्यों?

- एक सदी पुरानी कांच की छत को तोड़ते हुए, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर नईमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पहली महिला कुलपति नियुक्त किया है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- कुछ समय से लंबित इस नियुक्ति को मुस्लिम जगत के लिए एक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि एएमयू के कुलपति भारत और विदेशों में समुदाय में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।
- सुश्री खातून ने अपने पति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज़ से पदभार ग्रहण किया, जो लगभग एक वर्ष से कुलपति के रूप में कार्य कर रहे थे।
- हालाँकि विश्वविद्यालय की संस्थापक चांसलर भोपाल की बेगम सुल्तान जहाँ थीं, और एएमयू के कम से कम तीन पूर्व छात्र प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रमुख बने, लेकिन विश्वविद्यालय अदालत को एक योग्य महिला का नाम प्रस्तावित करने में 100 साल से अधिक का समय लग गया। ओडिशा के जाजपुर जिले का एक साधारण परिवार।
- एक मेधावी छात्रा, उन्होंने एएमयू से मनोविज्ञान में पीएचडी पूरी की। उन्हें 1988 में उसी विभाग में व्याख्याता नियुक्त किया गया था।
- 2006 में उन्हें प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया और 2014 में महिला कॉलेज की प्रिंसिपल नियुक्त होने से पहले विभाग में पदोन्नत किया जाता रहा।
- प्रोफेसर खातून को उनके कार्यालय में प्रवेश करने की तारीख से या सत्तर वर्ष की आयु पूरी करने की तारीख से, जो भी पहले हो, पांच साल के लिए नियुक्त किया गया है।